

19/09/2023

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान् उपस्थित। परोक्षार सरकार के व्यापार हो जाब प्रस्तुत करने हेतु मजबूर नाहा जो दिया जाता है। पत्रावली वास्ते जाब परोक्षार सरकार दिनांक 26/09/2023 को पेश हो।

S.D.O.

26/09/2023

पत्रावली पेश हुई... अग्रिम पक्ष संघ द्वारा  
अग्रिम... का... स्थापित करने से  
अब पत्रावली पूर्णानुसार दिनांक  
04/10/2023 को पेश की जावे।

P.O.  
Chit  
S.D.

no objection  
मोहन यादव

04/10/23

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान् उपस्थित। परोक्षार सरकार तहसीलदार वाचतमाय ने पत्रावली में No-objection प्रस्तुत कर किसी प्रकार की कोई आपत्ती व्यक्त नहीं की। पत्रावली वास्ते कलस अन्तिम दिनांक 11/10/2023 को पेश हो।

S.D.O.

11/10/23

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान् उपस्थित। वकील प्रार्थी ने प्रा०पत्र धारा-128 पर कलस सुनने उभय पक्ष के सुन गये। पत्रावली वास्ते कलस प्रा०पत्र दिनांक 18/10/23 को पेश हो।

S.D.O.



18/10/2023

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान् उपस्थित। वकील प्रार्थी की कलस पर मजबूर किया गया। प्रा०पत्र में

Form No. III  
फर्द अहकाम  
(नियम 26)

App-Z  
crim-I

जज अदालत : उपखण्ड अधिकारी


मुकाम : रावतभाटा

खाना पुत्र-देवी

बनाम श्रीमान् नहसीलदार सा०

किस्म मुकदमा..... प्रा० पत्र

नं०..... 69 ..... सन् 2023

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इसमें जारी हुए
	<p>अंकित तथ्यों व पत्रावली में शामिल दस्तावेजों का अवलोकन कर गहनता से मनन किया गया। वकील प्रार्थी द्वारा बहस के दौरान दी दलीलों से हम संतुष्ट हैं। प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र धारा-128 बाबत पथरगढ़ी का स्वीकार योग्य पाया जाता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र धारा-128 का स्वीकार योग्य पाये जाने से स्वीकार किया जाता है। प्रा० पत्र धारा-128 का निर्णय पृष्ठ से लिखाया जाकर खुले न्यायालय की इजलास में धुनाया गया। पत्रावली केसल शुमार होकर दर्ज रजिस्टर से कम की जाकर शामिल दफ्तर हो।</p> <p> उपखण्ड अधिकारी रावतभाटा</p>	